कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग मुश्किल में

मुंबई. पिछले 2 महीने में क्राफ्ट पेपर मिलों द्वारा निरंतर भाव वृद्धि किए जाने और कन्वर्जन इनपुट कॉस्ट बढ़ने से देश का कोरूगेटेड बॉक्स उद्योग मुश्किल में आ गया है। देसी और आयातित वेस्ट पेपर का भाव पिछले 2 महीने में प्रति मेट्रिक टन 4500 से 5000 तक बढ़ गया। दूसरे भारत और चीन के उत्पादक यूएसए और यूरोप से वेस्ट पेपर का आयात करते हैं लेकिन लॉकडाउन में उत्पादन बंद रहने से इस समय वेस्ट पेपर की आपूर्ति की तुलना में मांग अधिक है। दूसरे विदेशी बाजारों में वेस्ट पेपर और फिनिश्ड प्रोडक्ट कि जो कुछ भी आपूर्ति उपलब्ध थी, वह चाइनीज मिलों ने खरीद ली है। इंडियन कोरूगेटेड केस मैन्युफैक्चरर्स एसो. (इकमा) के प्रमुख संदीप वाधवा ने कहा कि भारत के 350 से अधिक ऑटोमेटिक कोरूगेटर और 10,000 से अधिक सेमी ऑटोमेटिक यूनिटें कोविड-19 के कारण भारी परेशानी अनुभव कर रही हैं।